सम्पूर्ण अन्तर्वाहक फरिश्ता स्वरूप की ड्रेस पहन विचरण करें

जानें....

परमात्म परवरिश आज भी हमें नसीब है...

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

गतांक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि अभी भी सूक्ष्म पालना हमारी कौन कर रहा है? वो ब्रह्मा माँ कर रही है। इसीलिए बाबा ने कहा कि वो बाप भी है तो माँ भी है। तो उस माँ के द्वारा पोषण भी अभी तक प्राप्त हो रहा है। ये पोषण मिलना यही सकाश है। तो एक तो योग लगाकर शिवबाबा से डायरेक्ट हम ले रहे हैं। दूसरा ब्राह्मण होने के नाते ब्रह्मा माँ से परवरिश ले रहे हैं। तो दोनों तरफ सकाश प्राप्त हो रही है। शक्ति प्राप्त हो रही है। जिस शक्ति से ही हम दूसरी आत्माओं को भी सहयोग दे सकेंगे। अब आगे पढ़ेंगे...

ये शक्ति क्या काम करेगी। बाबा कहते, अन्तिम समय अनेक आत्मायें आपके सामने आयेंगी कि हमें कुछ अंचलि दे दो, थोड़ी-सी शांति दे दो। थोड़ा-सा हमें प्यार दे दो। थोड़ी हमें शक्ति दे दो। उनके अन्दर उमंग-उत्साह भरना, उनको शांति का दान देना ये हमारा कर्त्तव्य है। तो तने के साथ जितना हमारा कनेक्शन होगा और ऊपर से तो दोनों तरफ से हमें सकाश प्राप्त हो जाती है। उस सकाश से इतनी शक्ति भरेंगे तो उस समय जो आयेंगे, हम आत्मिक स्थिति में होंगे और वो आत्मा वो चीज़ ले जायेगी हमारे से, जो उनको चाहिए। उनको शांति चाहिए वो शांति ले जायेंगी, उनको खुशी चाहिए खुशी ले जायेंगी। उनको प्यार की अनुभूति करनी है तो परमात्म प्यार का अनुभव करके जायेंगी। जो चाहिए उनको हमारे द्वारा प्राप्त होगा। और तब बाबा हमें निमित्त बनाकर हमसे दिलायेगा। मैं दे रही हूँ ये भान नहीं आयेगा। क्योंकि हमें पता भी नहीं चलेगा कि वो बाबा ने उसको क्या दिया और वो क्या लेकर गया। ये भी पता नहीं चलेगा। क्योंकि देने वाला, करनकरावनहार बाबा करायेगा आपसे। इसलिए जितना भरपूर हम अपने आपको करेंगे उतना ही हम उस समय में ये रोल प्ले कर सकेंगे। आपके पास सिर्फ खड़े होने से भी जैसे कुछ मिल रहा है ये फीलिंग आयेगी।

जैसे अभी कभी-कभी हम जाते हैं कहीं, किसी ने शरीर छोड़ा होता है और वहाँ का माहौल ये होता है, जैसे वहाँ जाकर बैठते हैं तो पूरी सभा में क्या होता है शांति हो जाती है। वो भी कहते हैं कल फिर आना आप, वो कहते हैं कि आप आते हैं ना तो अच्छा लगता है हमें। तो थोड़ी सी अंचलि मिली ना अभी तो। तो ये अनुभव कराने वाला कौन है? बाबा ने हमें निमित्त बनाकर वहाँ पहुंचाया, बिठाया और उनको क्या दिला दिया वो मालूम नहीं। उनको खुद नहीं मालूम। बस कहते हैं कि अच्छा लगा आप आये।

तो इसीलिए बाबा से जब सकाश लेकर अपने आप को भरपूर करेंगे तब ऐसे दे सकेंगे। तने के साथ झाड़

देने वाला, करनकरावनहार बाबा करायेगा आपसे। इसलिए जितना भरपूर हम अपने आपको करेंगे उतना ही हम उस समय में ये रोल प्ले कर सकेंगे। आपके पास सिर्फ खड़े होने से भी जैसे कुछ मिल रहा है ये फीलिंग आयेगी।

को हमेशा याद रखो। मैं तने में हूँ, ब्रह्मा माँ से वो पोषण ले रही हूँ और शिव बाप से शक्ति ले रही हूँ। दोनों तरफ से हमारी परवरिश हो रही है। तो झाड़ के चित्र को हमेशा याद रखो। स्मृति में रखो कि जिस तरह ब्रह्मा बाबा ऊपर खड़े हैं मैं भी ऐसे बाबा के पास खड़ी हूँ, ये देखो। और नीचे जहाँ बाबा-मम्मा बैठे हैं वहाँ मैं भी बीच में बैठी हूँ। मैं दोनों से पालना ले रही हूँ। पोषण ले रही हूँ, परवरिश ले रही हूँ और अपने आपको भरपूर कर रही हूँ। ये भी सकाश है। फिर पाँचवी बात सकाश लेना माना जो बाबा कभी-कभी कहता है टॉवर बन जाओ। शांति के टॉवर बन जाओ। तो शांति स्तम्भ को हमेशा बाबा ने ये जब कहा था मुरली के अन्दर बच्चे चार धाम की यात्रा अमृतवेले करो। जहाँ भी आप अपने स्थान पर हैं लेकिन बुद्धि से तो आप चार धाम कर सकते हैं ना! मधुबन में रोज़ चक्कर लगाकर चार धाम की यात्रा करते हैं ना, कि नहीं करते। या कभी-कभी याद आ जाती है कि चार धाम का चक्कर लगाना है। क्या करते हैं? कभी-कभी नहीं अभी रोज़ करना। और रोज़ शांति स्तम्भ पर ज़रूर जाना। बाबा शांति का टॉवर है, पवित्रता का टॉवर है। शक्ति का टॉवर है, ज्ञान का टॉवर है। ऐसे मुझे भी शांति का टॉवर, पवित्रता का टॉवर, शक्ति का टॉवर, ज्ञान का टॉवर बनना है। यानी उसकी हाइएस्ट स्टेज में अपने आप को स्थित करना है। - क्रमशः

वाराणसी-उ.प्र.। सेवाकेंद्र के नवनिर्मित ईश्वरीय उपहार भवन के उद्घाटन अवसर पर शिव ध्वजारोहण करते हुए माननीय मंत्री रविन्द्र जायसवाल, राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी, ब्र.कु. मधु दीदी, ब्र.कु. दीपेन्द्र भाई, ब्र.कु. रंजना बहन, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सरोज दीदी, ओ.एन. उपाध्याय तथा अन्य।

आस्का-ओडिशा। त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित ज्योतिर्लिंग रथ यात्रा के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित हैं विधायक मंजुला स्वैन, सांसद प्रमिला बिसोई, ब्र.कु. प्रभाती बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

मीरगंज-गोपालगंज(बिहार)। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर शिव ध्वजारोहण करने के पश्चात् सब इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार, सब इंस्पेक्टर विकास कुमार बिट्टू तथा अन्य पुलिस पदाधिकारियों को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. अंगूर बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. कांति बहन व अन्य ब्र.कु. बहनें।

कोलकाता म्यूज़ियम(प.बंगाल)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर इंडियन म्यूज़ियम,कोलकाता में 'इंस्पायरिंग सेल्फ एंड फैमिली' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती नीलम मीना,आईएएस,प्रिंसिपल सेक्रेट्री,कंज़्यूमर अफेयर्स डिपार्ट., श्रीमती स्मिता पांडेय,आईएएस सेक्रेट्री,पब्लिक इंटरप्राइजेस एंड इंडस्ट्री रीकंस्ट्रक्शन डिपार्ट., श्रीमती चैताली चक्रवर्ती,आईएएस,स्पेशल कमिश्नर,हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर डिपार्ट., श्रीमती शांति दास बसक,एडिशनल एसपी,वेस्ट बंगाल ह्यूमन राइट्स कमिशन, श्रीमती ऋचा अग्रवाल,चेयरपर्सन,कोलकाता सेंटर फॉर क्रिएटिविटी, श्रीमती सोमा चक्रवर्ती,वाइस प्रेसिडेंट,ग्रुप हेड,कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन्स,नेओटिया सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल,कोलकाता, वीरेन्द्र जी,फॉर्मर डीजीपी,वेस्ट बंगाल, डॉ. सायन भट्टाचार्य,एजुकेशन ऑफिसर,इंडियन म्यूज़ियम कोलकाता, राजयोगिनी ब्र.कु. कानन दीदी,इंचार्ज,ब्रह्माकुमारीज़ ईस्टर्न ज़ोन हेड क्वार्टर, ब्र.कु. सुप्रिया बहन,एग्ज़ीक्यूटिव मेम्बर,एजुकेशन विंग,ब्रह्माकुमारीज़ माउण्ट आबू तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य लोग शामिल रहे।

पटना-बोरिंग रोड(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में अभियंता भवन में आयोजित 'आध्यात्मिकता द्वारा सकारात्मक परिवर्तन' कार्यक्रम में बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव, उप सभापति बिहार विधान परिषद रामचंद्र पूर्वे, ब्रह्माकुमारीज़ पटना सबज़ोन की मुख्य सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. संगीता दीदी, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सविता बहन, ब्र.कु. ज्योति बहन सहित बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें व शहर के लोग शामिल रहे।

मुरादाबाद-न्यू सिविल लाइन(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ मेरठ सबज़ोन इंचार्ज ब्र.कु. आशा दीदी,सिविल लाइन्स सेवाकेंद्र संचालिका, जाट महासभा के उपाध्यक्ष एवं प्रधान संगठन के उपाध्यक्ष अनिल चौधरी, लीगल एडवाइज़र लता चंद्र, डॉ. प्रो. प्रेमवती जी, एक्सपोर्टर राकेश खन्ना, ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. रीना बहन सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

सेल्फ हेल्प

समस्या, समस्या नहीं एक अवसर है...

इज़ाद करें निज़ात पायें... इसका उदाहरण जब दुनिया में चूहों का आतंक फैला, लोग बहुत परेशान हुए, चारों तरफ वे नुकसान कर रहे थे। तो उसी समय कुछ कंपनियों ने चूहे से बचाने वाली, चूहे को मारने वाली दवाइयां बनाईं। उसकी प्रोडक्टिविटी बढ़ाई। ना कि ये सोचने में समय बिताया कि हाय हम क्या करें! ये तो इतना नुकसान हो रहा है। तो एक समस्या पैदा हुई तो एक अवसर भी पैदा हुआ। उससे लोगों को जॉब भी मिली और रोजगार के अन्य साधन भी निकले। अब चूहे न होते तो उनको पकड़ने के लिए चूहेदानी कौन बनाता। तो चूहेदानी लाने का आधार चूहा बना।

तो हर एक समस्या अपने साथ एक अवसर लाती है। बस हमें बैठकर अच्छे मन से उस समस्या को देखना है और उसमें अवसर को तलाशना है। पूरा समाज घबराने के मूड में होता है लेकिन समस्या लाने का आधार भी समाज ही है। और समाज की सबसे छोटी यूनिट या इकाई एक मनुष्य है। हमने पूरे विश्व में देखा है कि जब भी कोई ऐसा कुछ भी आतंक, कोई बीमारी या महामारी फैली तो उससे अवसर भी मिले, रोजगार भी मिले, आर्थिक सामाजिक पैनापन भी आया, जागृति भी बढ़ी तो कितना कुछ हम उसमें से इज़ाद कर सकते हैं ये हमारे ऊपर है।

नदबई-भरतपुर(राज.)। त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित शिव संदेश शांति यात्रा को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए चेयरमैन हरवती देवी, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अजय कटारा, ब्र.कु. संतोष, ब्र.कु. प्रीति, ब्र.कु. हीरा, ब्र.कु. ज्योति तथा अन्य।

दिल्ली-कृष्ण नगर। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में एडवोकेट एस.के. बग्गा,विधायक, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. अनु दीदी, ब्र.कु. जगरूप भाई, ब्र.कु. जीना बहन, ब्र.कु. रीना बहन तथा बड़ी संख्या में अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

गोगुंदा-राज.। महाशिवरात्रि महोत्सव के दौरान सम्बोधित करते हुए उदयपुर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रीटा दीदी। मंचासीन हैं मीरा माता,वृंदावन, तहसीलदार ओम सिंह लखावत, ब्र.कु. रीमा, ब्र.कु. कल्पना एवं ब्र.कु. कविता।

नागौर-कुचामन(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी के पुण्य स्मृति दिवस के कार्यक्रम में चीफ इंस्पेक्टर सुरेश जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. अनीता दीदी। साथ हैं ब्र.कु. वसु बहन व ब्र.कु. सुनीति बहन।